

उर्दू पदें

पद ३३४

(रागः पिलु जिल्हा - तालः दीपचंदी)

अपने मे आप खुदा देखता हूँ। खुदी को मैं जिस दम जुदा देखता हूँ। न काफ़िर न मोमिन न मुसल्मान समझो। हर हर में हर जा-बजा देखता हूँ। अलाकुल्ल शय्यिन मोहितस्त जाहिर ब जल्वेनुमा बरमला देखता हूँ। ये मानिये अकबरकु मानिक साबित। जिस दम से दम से मिला देखता हूँ॥१॥